पद्म पुरस्कार 2024

स्रोत: द हिंदू

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू** ने विशिष्ट व्यक्तियों को वर्ष 2024 के प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कार प्रदान किये।

वर्ष 2024 में पद्म पुरस्कार प्राप्तकर्त्ता कौन हैं?

- पुरस्कार प्राप्तकर्त्ता समूह में **पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, अभिनेता और राजनीतिज्ञ मिथुन चक्रवर्ती, गायिका उषा उत्थुप** तथा **टेनिस खिलाड़ी** रोहन बोपन्ना और अन्य शामिल हैं।
- सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक बिंदेश्वर पाठक एवं भरतनाट्यम नृत्यांगना पद्मा सुब्रमण्यम को **पद्म विभूषण** से सम्मानित किया गया।
- वर्ष 2024 के लिये राष्ट्रपति ने 132 पद्म पुरस्कार प्रदान करने की मंज़ूरी दी थी, जिसमें दो युगल मामले (एक युगल पुरस्कार को एक के रूप में गिना जाता है) शामिल हैं।
  - इस सूची में **5 पद्म विभूषण, 17 पद्म भूषण** तथा **110 पद्म श्री पुरस्कार** शामिल हैं।
  - पुरस्कार विजेताओं में से **30 महिलाएँ** हैं, 8 विदेशी/NRI/PIO/OCI व्यक्ति इस श्रेणी में शामिल हैं तथा 9 व्यक्तियों को मरणोपरांत यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

पद्म पुरस्कारों के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **पृष्ठभूमि:**
  - पद्म पुरस्कारों की घोषणा प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) पर की जाती है।
  - वर्ष **1954** में स्थापित यह भारत के **सर्वोच्च नागरिक सम्मानों** में से एक है।
- **उद्देश्य:**
  - यह उन सभी विषयों/गतिविधियों के क्षेत्रों में उपलब्धियों की पहचान करता है, जिनमें सार्वजनिक सेवा का तत्त्व शामिल हो।
- **श्रेणियाँ:**
  - पद्म विभूषण (असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिये)
    - पद्म भूषण (उच्च क्रम की विशिष्ट सेवा)
    - पद्म श्री (प्रतिष्ठित सेवा)
    - ये पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिये जाते हैं:
  - पद्म भूषण और पद्म श्री के बाद पद्म पुरस्कारों के पदानुक्रम में पद्म विभूषण सर्वोच्च है।
- **क्षेत्र:**
  - ये पुरस्कार **कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार एवं उद्योग, चिकित्सा, साहित्य तथा शिक्षा, खेल, सिविल सेवा** आदि जैसे विभिन्न विषयों/गतिविधियों के क्षेत्रों में दिये जाते हैं।
- **पात्रता:**
  - जाति, व्यवसाय, पद या लिंग के भेदभाव के बिना **सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों** के लिये पात्र हैं।
- **चयन प्रक्रिया:**
  - **पद्म पुरस्कार समिति:**
    - ये पुरस्कार 'पद्म पुरस्कार समिति' द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर प्रदान किये जाते हैं, जिसका गठन प्रतिवर्ष प्रधानमंत्री द्वारा किया जाता है।
  - **राष्ट्रपति द्वारा प्रदत्त:**
    - ये पुरस्कार भारत के राष्ट्रपति द्वारा आमतौर पर प्रतिवर्ष मार्च/अप्रैल के महीने में प्रदान किये जाते हैं।

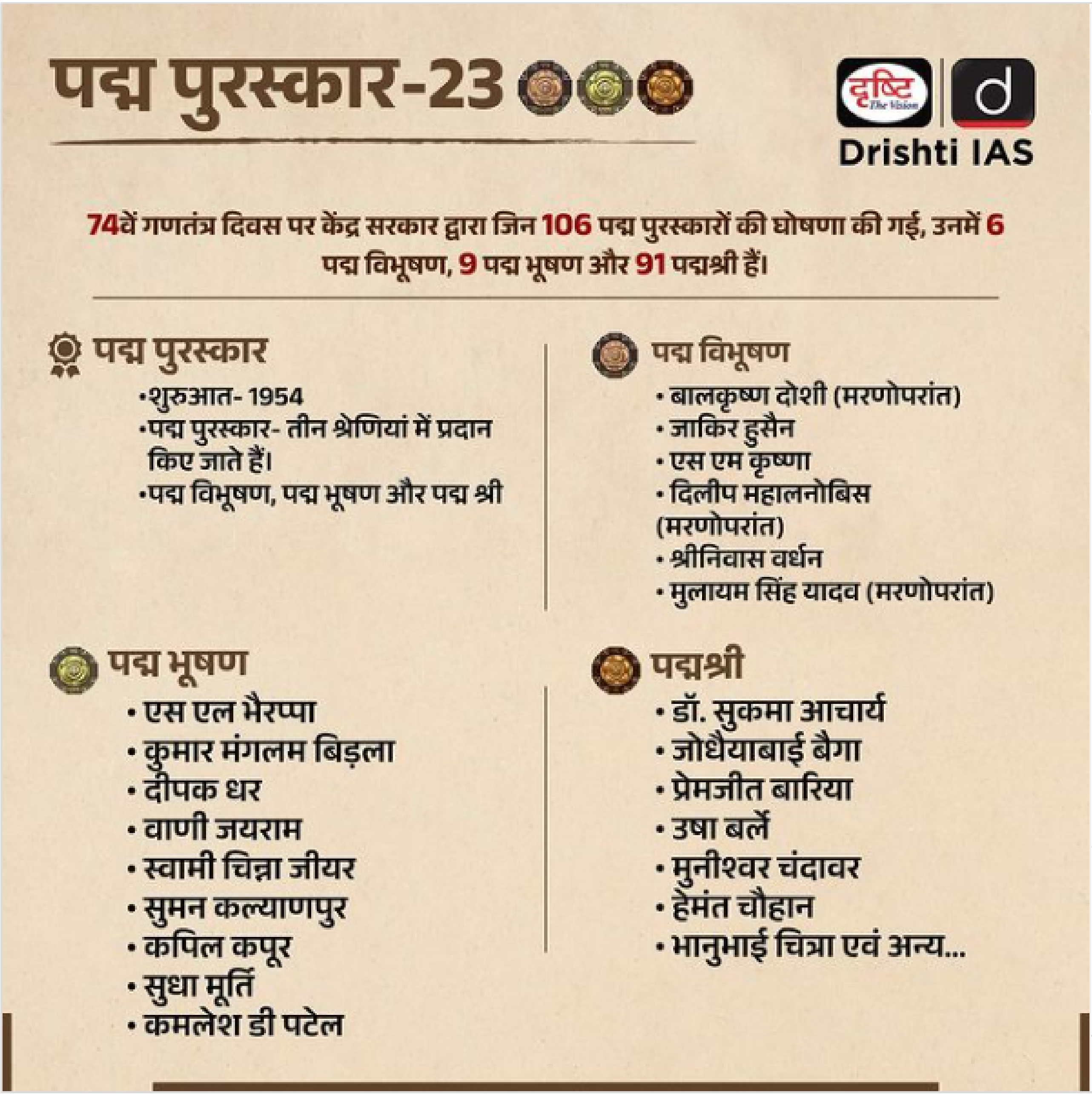

//

भारत रत्न

- यह **देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार** है। यह **मानव प्रयास के किसी भी क्षेत्र में सर्वोच्च स्तर की असाधारण सेवा/प्रदर्शन की मान्यता के लिये प्रदान** किया जाता है।
- इसे **पद्म पुरस्कार** से अलग स्तर पर माना जाता है। भारत रत्न के लिये प्रधानमंत्री द्वारा भारत के राष्ट्रपति को सिफारिशें की जाती हैं।
- आमतौर पर एक वर्ष में तीन भारत रत्न पुरस्कार दिये जाते हैं। हालाँकि इस वर्ष 2024 में **सरकार ने पाँच लोगों को** [भारत रत्न](#) **के लिये नामित** किया है।

संविधान के अनुच्छेद 18 के तहत उपाधियों का उन्मूलन:

- भारतीय संविधान का [अनुच्छेद 18(1)](#) **सभी उपाधियों को समाप्त कर देता है** और राज्य को किसी भी व्यक्ति को उपाधियाँ प्रदान करने से रोकता है, चाहे वह नागरिक हो या गैर-नागरिक।
  - हालाँकि सैन्य और शैक्षणिक सम्मान इस निषेध के अपवाद हैं।
  - इसका अर्थ यह है कि विश्वविद्यालय, उदाहरण के लिये व्यक्तियों को उनकी योग्यता के आधार पर उपाधियाँ या सम्मान प्रदान कर सकते हैं।

- एक **"शीर्षक" किसी के नाम के साथ जुड़ाव को संदर्भित करता है, जैसे कि उपसर्ग या प्रत्यय** (उदाहरण के लिये सर, नवाब, महाराजा)।
    - लोकतंत्र में **उपाधियों और नाममात्र की महिमाओं** को हतोत्साहित किया जाता है क्योंकि **यह सामाजिक समानता के सिद्धांतों के विरुद्ध है।**
- **"भारत रत्न," "पद्म विभूषण," और "पद्म श्री" जैसे पुरस्कार अनुच्छेद 18 के तहत निषिद्ध नहीं हैं** क्योंकि वे विभिन्न क्षेत्रों में नागरिकों द्वारा किये गए असाधारण कार्य की राज्य की मान्यता के प्रतीक हैं।
    - **बालाजी राघवन बनाम भारत संघ, 1996** के ऐतिहासिक निर्णय में न्यायालय ने माना कि **राष्ट्रीय पुरस्कार अनुच्छेद 18 के खंड 1 के तहत उपाधि की परिभाषा के तहत नहीं आते हैं।**

नोट :

- **इंदिरा जयसिंह बनाम भारतीय सर्वोच्च न्यायालय, 2017** के मामले में अधिवक्ताओं के नाम से पहले **'वरिष्ठ अधिवक्ता' शब्द के उपयोग पर सवाल उठाने** पर एक शिकायत दर्ज की गई थी।
    - सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि **यह शीर्षक नहीं है, बल्कि एक सीमांकन (Demarcation)** है, इसलिये यह **भारतीय संविधान के अनुच्छेद 18 का उल्लंघन नहीं करता है।**

और पढ़ें: गणतंत्र दिवस

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

[illegible]:

प्रश्न. भारत रत्न और पद्म पुरस्कारों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2021)

1. भारत रत्न और पद्म पुरस्कार भारत के संविधान के अनुच्छेद 18(1) के अंतर्गत उपाधियाँ हैं।
2. वर्ष 1954 में प्रारंभ किये गए पद्म पुरस्कारों को केवल एक बार निलंबित किया गया था।
3. किसी वर्ष विशेष में भारत रत्न पुरस्कारों की अधिकतम संख्या पाँच तक सीमित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही नहीं हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/padma-awards-2024